

M-2023/GS-IV

MPPSC Mains GS Paper IV March 14, 2024 Question Paper

अनुक्रमांक/Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : 4
Total No. of Questions : 4

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8
No. of Printed Pages : 8

M-2023/GS-IV

सामान्य अध्ययन
GENERAL STUDIES

चतुर्थ प्रश्न-पत्र
FOURTH PAPER

[पूर्णांक : 200

[Total Marks : 200

समय : 03 घंटे]
Time : 03 Hours]

प्रश्न : 1. इस प्रश्न में **20** अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **10** शब्द/एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **02** (दो) अंकों का है।
(2×20=40)

Que. :1. This question contains **20** very short answer type sub-questions. Answer **each** question ideally in **10** words/**one** line. **All** questions are **compulsory**. **Each** question carries **02 (two)** marks.

प्रश्न : (1.1) अरस्तू के अनुसार, चार कारणों का उल्लेख कीजिए।
Point out the four causes according to Aristotle.

प्रश्न : (1.2) चार्वाक का आत्मा सम्बन्धी मत क्या है?
What is the Cārvāka view point of ātman?



प्रश्न : (1.15) लोकपाल की स्थापना का सुझाव सर्वप्रथम किसने दिया था?

Who first suggested the establishment of Lokpal?

प्रश्न : (1.16) भ्रष्टाचार के विरुद्ध, संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को किस वर्ष अंगीकार किया गया था?

In which year was the United Nations Convention against corruption adopted?

प्रश्न : (1.17) केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति, राष्ट्रपति किनकी अनुशंसा पर करते हैं?

On whose recommendation does the President appoint the Central Vigilance Commissioner?

प्रश्न : (1.18) 23 मार्च, 2019 को, किसे भारत का प्रथम लोकपाल नियुक्त किया गया था?

On 23rd March, 2019, who was appointed as the first Lokpal of India?

प्रश्न : (1.19) किसने कहा कि, 'सत्यनिष्ठा वित्तीय ईमानदारी से अधिक व्यापक है'?

Who said that, 'Integrity is much more than financial honesty'?

प्रश्न : (1.20) नैतिक आचरण सुनिश्चित करने के कोई दो साधन लिखिए।

Write any two tools of securing moral conduct.

प्रश्न : 2. इस प्रश्न में **08** लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **50** शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **05** (पाँच) अंकों का है।

(5×8=40)

Que. : 2. This question contains **08** short answer type sub-questions. Answer **each** question ideally in **50** words/5 to 6 lines. All questions are **compulsory**. Each question carries **05 (five)** marks.

प्रश्न : (2.1) एस० राधाकृष्णन के अनुसार, अंतर्ज्ञान और बुद्धि में क्या अंतर है?

What is the difference between intuition and intellect according to S. Radhakrishnan?

प्रश्न : (2.2) अरस्तू के अनुसार, आकार एवं पदार्थ की अवधारणा पर चर्चा कीजिए।

Discuss the concept of form and matter according to Aristotle.



प्रश्न : (2.3) पूर्वाग्रहों को हम कैसे कम कर सकते हैं? कुछ महत्वपूर्ण तरीके लिखिए।

How can we reduce prejudices? Write some important ways.

प्रश्न : (2.4) सिविल सेवाओं में सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता को सुधारने के लिए सुझाव लिखिए।

Write suggestions to improve integrity and impartiality in Civil Services.

प्रश्न : (2.5) लोक प्रशासन में उत्तरदायित्व की अवधारणा के मूल निहितार्थ क्या हैं?

What are the basic implications of the concept of Accountability in Public Administration?

प्रश्न : (2.6) लोक प्रशासन की 'सामाजिक जिम्मेदारी' से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by 'Social Accountability' of Public Administration?

प्रश्न : (2.7) केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा चिह्नित किये गये भ्रष्टाचार के कोई पाँच प्रकार बताइये।

Explain any five forms of corruption identified by Central Vigilance Commission.

प्रश्न : (2.8) भ्रष्टाचार की पारिभाषिक जटिलता की विवेचना कीजिये।

Analyse the definitional complexity of corruption.

प्रश्न : 3. इस प्रश्न में **04** दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **200** शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **20 (बीस)** अंकों का है। **(20×4=80)**

Que. : 3. This question contains **04** long answer type sub-questions. Answer **each** question ideally in **200** words. **All** questions are **compulsory**. Each question carries **20 (twenty)** marks.

प्रश्न : (3.1) जैन दर्शन में अनेकान्तवाद की व्याख्या कीजिए।

Explain Anekāntavāda in Jain Philosophy.



प्रश्न : (2.3) पूर्वाग्रहों को हम कैसे कम कर सकते हैं? कुछ महत्वपूर्ण तरीके लिखिए।

How can we reduce prejudices? Write some important ways.

प्रश्न : (2.4) सिविल सेवाओं में सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता को सुधारने के लिए सुझाव लिखिए।

Write suggestions to improve integrity and impartiality in Civil Services.

प्रश्न : (2.5) लोक प्रशासन में उत्तरदायित्व की अवधारणा के मूल निहितार्थ क्या हैं?

What are the basic implications of the concept of Accountability in Public Administration?

प्रश्न : (2.6) लोक प्रशासन की 'सामाजिक जिम्मेदारी' से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by 'Social Accountability' of Public Administration?

प्रश्न : (2.7) केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा चिह्नित किये गये भ्रष्टाचार के कोई पाँच प्रकार बताइये।

Explain any five forms of corruption identified by Central Vigilance Commission.

प्रश्न : (2.8) भ्रष्टाचार की पारिभाषिक जटिलता की विवेचना कीजिये।

Analyse the definitional complexity of corruption.

प्रश्न : 3. इस प्रश्न में **04** दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **200** शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **20** (बीस) अंकों का है। **(20×4=80)**

Que. : 3. This question contains **04** long answer type sub-questions. Answer **each** question ideally in **200** words. **All** questions are **compulsory**. **Each** question carries **20 (twenty)** marks.

प्रश्न : (3.1) जैन दर्शन में अनेकान्तवाद की व्याख्या कीजिए।

Explain Anekāntavāda in Jain Philosophy.

प्रश्न : (3.2) सिविल सेवाओं में सत्यनिष्ठा के हास के प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए।

Describe the main causes of decline of integrity in Civil Services.

प्रश्न : (3.3) भारत में लोकसेवकों में अनुशासन और उन पर नियन्त्रण करने में 'लोकसेवकों के लिये आचार संहिता' क्या भूमिका निभाती है? समझाइये।

What role does 'code of conduct for civil servants' play in securing discipline and control over civil servants in India? Discuss.

प्रश्न : (3.4) भारत में लोकपाल की शक्तियों एवं सीमाओं की समीक्षा कीजिये।

Evaluate the powers and limitations of Lokpal in India.

प्रश्न : 4. इस प्रश्न में **02** (केस स्टडी) उप-खंड हैं, उप-खंड **4.1** एवं **4.2**। प्रत्येक उप-खंड में **05** प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **100** शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न **04** (चार) अंकों का होगा। **(4×5=20)**

Que. : 4. This question has **02** (Case Study) sub-sections **4.1** and **4.2**.
Each Case Study has **05** questions and the ideal word limit for **each** answer will be **100** words. **All** questions are **compulsory**.
Each question carries **04** (four) marks.

प्रश्न : (4.1) प्रकरण अध्ययन (Case Study)

अपने और दूसरों के संवेगों को समझना मानव जीवन में सफलता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आनंद, दुख, भय, घृणा और ईर्ष्या सार्वभौमिक संवेग हैं। ये संवेग संप्रेषण, स्वास्थ्य, कल्याण और सम्बन्धों के लिए सार्थक होते हैं। प्रभावी सांवेगिक कौशल में अपने और दूसरों के संवेगों की उपयुक्त समझ और उसका प्रबंधन शामिल होता है। उदाहरणार्थ, अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्धों में क्रोध की प्रायः अभिव्यक्ति दूसरों में भय और असुरक्षा उत्पन्न कर सकती है। परिणामस्वरूप, यह अन्तर्वैयक्तिक और सामाजिक सम्बन्धों को कमजोर कर सकती है। लम्बे समय तक प्रतिबल में बने रहेंगे तो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए समस्या उत्पन्न होगा। इस प्रकार व्यक्तिगत, अन्तर्वैयक्तिक और सामाजिक सम्बन्धों की सफलता और संप्राप्ति के लिए यह अपेक्षित है कि व्यक्ति सांवेगिक कौशलों को विकसित करे। संवेगों की बेहतर समझ का प्रत्यक्ष निहितार्थ मानव जीवन के विभिन्न संकेतकों में सफलता, निष्पादन और उत्पादकता के लिए हो सकता है।



Understanding emotions of others and ours is very significant for human life. Happiness, sadness, fear, disgust and jealousy are universal emotions. They are meaningful for communication, health, well-being and relationships. Effective emotional skills involve appropriate awareness and management of others and one's emotions. For example, frequent expression of anger in interpersonal relationships may create fear and insecurity in others. Consequently, it may weaken interpersonal and social relationships. Being in stress for long also leads to the development of physical and mental health problems. Thus, for the success and fulfilment in personal, interpersonal and social relationships; it is imperative that one should develop emotional skills. Better understanding of emotions may have direct implications for success, performance and productivity on variety of indices in human life.

प्रश्न : (4.1) (1) सांवेगिक कौशल क्यों महत्वपूर्ण होते हैं?

Why are emotional skills important?

प्रश्न : (4.1) (2) किस प्रकार संवेग, लोगों के जीवन परिणामों को निर्मित करते हैं?

How do emotions shape people's life outcomes?

प्रश्न : (4.1) (3) सांवेगिक बुद्धि के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।

Mention the major components of emotional intelligence.

प्रश्न : (4.1) (4) सांवेगिक बुद्धि के उन्नयन के लिए सुझाव दीजिए।

Suggest measures to enhance emotional intelligence.

प्रश्न : (4.1) (5) सांवेगिक कौशल, प्रशासनिक कार्यों के लिए किस प्रकार उपयोगी है?

How are emotional skills useful for administrative jobs?

4. इस प्रश्न में **02** (केस स्टडी) उप-खंड हैं, उप-खंड **4.1** एवं **4.2**। प्रत्येक उप-खंड में **05** प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **100** शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **04** (चार) अंकों का होगा। **(4×5=20)**

4. This question has **02** (Case Study) sub-sections **4.1** and **4.2**. **Each** Case Study has **05** questions and the ideal word limit for **each** answer will be **100** words. **All** questions are **compulsory**. **Each** question carries **04** (four) marks.

प्रश्न : (4.2) प्रकरण अध्ययन (Case Study)

COVID-19 महामारी सभी आयु-वर्गों के लोगों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। आकस्मिकता, नवीनता और घातकता के कारण इसने विभिन्न प्रकार की मनोवैज्ञानिक पीड़ा और नकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों को जन्म दिया है। लोगों को बड़े पैमाने पर बेरोज़गार कर दिया है। लोगों ने जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओं के अभाव का सामना किया और सभी प्रकार की मानवीय अन्तर्क्रियाओं में कमी महसूस की। विशेषज्ञों का मत है कि बचाव ही एकमात्र विकल्प है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने और दूसरों के जीवन की रक्षा कर सकता है। इस महामारी की शुरुआत के एक वर्ष पश्चात् शोधकर्ताओं ने इसका टीका खोज लिया है। भारत सरकार अपने सभी नागरिकों के टीकाकरण की परियोजना पर कार्य कर रही है। यद्यपि अधिसंख्यक भारतीयों ने टीकाकरण करवा लिया है, किन्तु कुछ लोगों ने सरकार की इस घोषणा का अनुपालन नहीं किया है। गलत धारणाओं, परिणामों की जागरूकता का अभाव और दूसरों के स्वास्थ्य के लिए टीकाकरण के महत्व की जानकारी का अभाव उनके हिचकिचाहट का कारण हो सकता है। यह चुनौती आज भी कायम है।

The COVID-19 pandemic has been exerting negative influences on people of all age groups. Due to suddenness, novelty and fatality, it gave birth to a variety of psychological distress and negative health outcomes. It resulted in unemployment on a mass scale. People faced unavailability of essentials and felt lack of all types human interactions. Experts opined that precaution is the only alternative through which people can save the life of others and their own. After one year of the outbreak of the pandemic, researchers discovered vaccine. Indian Government is working on the plan of vaccinating all of its citizens. Although majority of Indians took vaccination, but a few of them did not



adhere to the call. Misconception, lack of awareness and lack of knowledge of the consequences and importance of vaccination for the health of others may be the reason behind their hesitation. This challenge even persists today.

प्रश्न : (4.2) (1) COVID-19 महामारी क्यों बहुत हानिकारक है?

Why is COVID-19 pandemic very harmful?

प्रश्न : (4.2) (2) COVID-19 महामारी के दौरान लोगों द्वारा किस प्रकार के मनोवैज्ञानिक परिणामों का सामना किया गया?

What psychological outcomes were faced by people during COVID-19 pandemic?

प्रश्न : (4.2) (3) COVID महामारी के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव क्या हैं?

What are the social and economical impacts of COVID pandemic?

प्रश्न : (4.2) (4) टीकाकरण में हिचकिचाहट के संभावित कारण क्या हैं?

What are the possible causes behind hesitancy in vaccination?

प्रश्न : (4.2) (5) लोगों को टीकाकरण के लिए अभिप्रेरित करने के उपायों पर सुझाव दीजिए।

Suggest measures to motivate people to get vaccinated.

★ ★ ★